

Padma Bhushan



SHRI KESHUBHAI PATEL (POSTHUMOUS)

Shri Keshubhai Patel was the two time Ex Chief Minister of Gujarat, and a Member of Parliament, Rajya Sabha and Lok Sabha. He began his political career in the 1960s as a member of the Nagarpalika and became a leader of opposition. He was the Cabinet Minister of Gujarat between 1975 to 1980.

2. Born on 24th July, 1928 in a poor farmer family, Shri Keshubhai's education was limited to the 10th Standard. As a young adult, he earned his living by doing menial jobs. He was inspired by the Hindutva Movement and joined the Rashtriya Swayam Sevak Sangh (RSS).

3. Shri Keshubhai was aware of the farmers' struggles. This perspective inspired him to become the Minister of Agriculture and Irrigation in 1975. He built hundreds of dams to provide optimum irrigation and water to all farmers. He continued his efforts to improve the lives of farmers when he was elected as the Chief Minister of Gujarat. He was elected seven times as a Member of the Legislative Assembly (MLA). He was elected as the Deputy Chief Minister of Gujarat in 1990. He was the Chairman of Somnath Temple Trust until his demise and he served as a Chairman for 12 years.

4. After Shri Keshubhai became the Chief Minister of Gujarat in 1995, he started to take strong actions against antisocial elements. He also started The Gokulgram Yojna to develop the rural areas of Gujarat and provide them with clean drinking water and better roads. Out of 92 years of his life, he dedicated 70 to serving the country and the state of Gujarat.

5. Shri Keshubhai passed away on 29th October, 2020.



श्री केशुभाई पटेल (मरणोपरांत)

श्री केशुभाई पटेल दो बार गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और संसद, राज्यसभा और लोकसभा के सदस्य रहे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत 1960 के दशक में नगरपालिका के सदस्य के रूप में की और विपक्ष के नेता बने। वह 1975 से 1980 के बीच गुजरात के कैबिनेट मंत्री रहे।

2. 24 जुलाई, 1928 को एक गरीब किसान परिवार में जन्मे श्री केशुभाई की शिक्षा 10वीं तक ही सीमित थी। एक युवा वयस्क के रूप में, उन्होंने नौकरशाही का काम करके अपना जीवन यापन किया। वह हिंदुत्व आंदोलन से प्रेरित थे और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) में शामिल हो गए थे।

3. श्री केशुभाई किसानों के संघर्ष से भली भांति वाकिफ थे। इसी जानकारी ने उन्हें 1975 में कृषि और सिंचाई मंत्री बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी किसानों को इष्टतम सिंचाई और पानी उपलब्ध कराने के लिए सैकड़ों बांधों का निर्माण किया। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में चुने जाने पर उन्होंने किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के अपने प्रयास जारी रखे। वह सात बार विधान सभा के सदस्य (एमएलए) के रूप में चुने गए। 1990 में उन्हें गुजरात के उपमुख्यमंत्री के रूप में चुना गया था। वे अपने निधन तक सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष थे और उन्होंने 12 वर्षों तक अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

4. 1995 में श्री केशुभाई के गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के बाद, उन्होंने असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी। उन्होंने गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों को विकसित करने और उन्हें स्वच्छ पेयजल और बेहतर सड़कें प्रदान करने के लिए गोकुलग्राम योजना भी शुरू की। उन्होंने अपने जीवन के 92 वर्षों में से 70 को देश और गुजरात राज्य की सेवा के लिए समर्पित कर दिया।

5. श्री केशुभाई पटेल का 29 अक्टूबर, 2020 को देहावसान हो गया।